

B.A. 1st Semester (General) Examination, 2022 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-1A/GE-1

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as applicable.

I. Instructions for GE-1 (Honours students of other discipline) :

2×10=20

অধোলিখিতেষু দশ-প্রশ্নানামুত্তরং সংস্কৃতভাষয়া দেবনাগরী লিপিমাস্রিত্য প্রদেয়ম্। তত্র 'ক'-বিভাগতঃ প্রশ্নত্রয়ম্, 'খ'-বিভাগতঃ প্রশ্নত্রয়ম্, 'গ'-বিভাগতঃ প্রশ্নত্রয়ম্ অবশ্যমেব চয়নীয়ম্।
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী হরফে লিখতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে তিনটি ও 'খ' বিভাগ থেকে তিনটি এবং 'গ' বিভাগ থেকে তিনটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই দিতে হবে।

Instructions for CC-1 (General students) :

2×10=20

অধোলিখিতেষু দশ-প্রশ্নানামুত্তরং প্রদেয়ম্। অত্র 'ক'-বিভাগতঃ প্রশ্নত্রয়ম্, 'খ'-বিভাগতঃ প্রশ্নত্রয়ম্, 'গ'-বিভাগতঃ প্রশ্নত্রয়ম্ লেখনীয়ম্। তেষু দ্বয়োঃ সংস্কৃতভাষয়া উত্তরম্ অবশ্যমেব লেখনীয়ম্।
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তার মধ্যে 'ক' বিভাগ থেকে তিনটি ও 'খ' বিভাগ থেকে তিনটি এবং 'গ' বিভাগ থেকে তিনটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় অবশ্যই লিখতে হবে।

'ক'-বিভাগ:

বিভাগ-'ক'

(a) 'रघुवंशम्' कीदृशं काव्यम्? अस्मिन् कियन्तः सर्गाः सन्ति?

'रघुवंशम्' की धरনের কাব্য? এই কাব্যে কয়টি সর্গ আছে?

(b) द्विपेन्द्रः कः? द्विपेन्द्रः किं न सहते?

দ্বিপেন্দ্র কে? দ্বিপেন্দ্র কি সহ করতে পারে না?

(c) जह्नुदुहिता कथं कं किं च अबारयः?

জহ্নুদুহিতা কীভাবে কাকে কী নিষেধ করেছেন?

(d) 'आसीत् स दोलाचलचित्तवृत्तिः'— 'स' पदेन कं बोध्यः? कथं स दोलाचलचित्तवृत्तिः अभवत्?

'आसीत् स दोलाचलचित्तवृत्तिः'— এখানে 'স' পদের দ্বারা কাকে বোঝানো হয়েছে? কেন তিনি কিংকর্তব্যবিমূঢ় হয়েছিলেন?

(e) 'सा अनन्दत्'— सा का? किमर्थ सा अनन्दत्?

'सा अनन्दत्'— 'सा' पदের দ্বারা কাকে বোঝানো হয়েছে? তিনি কেন আনন্দিত হয়েছিলেন?

'ख' विभागः

বিভাগ—'খ'

(f) बनेचरबाक्यस्य वैशिष्ट्यं किम्?

বনেচরের বাক্যের বৈশিষ্ট্য কী?

(g) 'किसखा' तथा 'किम्प्रभु' इति पदयोः कोऽर्थः?

'কিসখা' ও 'কিম্প্রভু'— এই পদদুটির অর্থ কী?

(h) 'अरिषड्वर्गः' इति शब्दस्य कोऽर्थः?

অরিষড্বর্গ-শব্দের অর্থ কী?

(i) "न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्"— को नाम त्रिगणः? त्रिगणः कथं परस्परं न बाधते?

"न बाधतेऽस्य त्रिगणः परस्परम्"— त्रिगण की? त्रिगण केन परस्परके बाधा दिष्टे ना?

(j) "क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः"— वक्ता कः? अत्र प्रयुक्तस्य क्वशब्दद्वयस्य किं तात्पर्यम्?

"क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः"— वक्ता के? এখানে 'क्व' শব্দদুটির প্রয়োগের তাৎপর্য কী?

'ग'-विभागः

বিভাগ—'গ'

(k) बुद्धचरितस्य सर्गसंख्या कति? अस्य मुख्यरसः कः?

বুদ্ধচরিত কাব্যের সর্গসংখ্যা কত? এই কাব্যের মূখ্যরস কী?

(l) 'कुमारसम्भवम्' इति महाकाव्यस्य रचयिता कः? अस्य उत्सः कः?

'কুমারসম্ভবম্' মহাকাব্যের রচয়িতা কে? এর উৎস কী?

(m) नैषधचरितस्य नायिका-नायकयो नामनी लिखत।

নৈষধচরিতের নায়িকা ও নায়কের নাম উল্লেখ করো।

(n) भट्टिकाव्ये कियन्तः विभागाः सन्ति? के च ते?

ভট্টিকাব্যের কয়টি বিভাগ ও কী কী?

(o) नैषधचरितस्य श्रेष्ठटीकाग्रन्थः कः? कः तस्य रचयिता च?

নৈষধচরিতের শ্রেষ্ঠ টীকাগ্রন্থ কী? তার রচয়িতা কে?

2. अधोलिखितेषु विभागत्रयेषु न्यूनातिन्यूनं प्रश्नमेकम् आश्रित्य चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव सुरगिरा समाधेयम्।
 निम्नलिखित विभाग (थेक) कम्पाक एकटि करे प्रश्न निम्न छरटि प्रश्नर उखर दाउ। उम्माप्ता दृटि प्रश्नर उखर अवशाई संस्कृत भाषाय लिखते हरे।

5×4=20

'क'-विभागः

विभाग - 'क'

मातृभाषया अनुवादः कार्यः

मातृभाषाय अनुवाद करो।

- (a) कलत्रनिन्दागुरुणा किलैवमभ्याहतं कीर्तिविपर्ययेण।

अयोधनेनाय इवाभितप्तं वैदेहिबन्धोर्हृदयं विदद्रे॥

अथवा,

ततोऽभिषङ्गानिलविप्रविद्धा प्रभ्रश्यमानाभरणप्रसूना।

स्वमूर्तिलाभप्रकृतिं धरित्रीं लतेव सीता सहसा जगाम॥

- (b) विशङ्कमानो भवतः पराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः।

दुरोदरच्छद्मजितां समीहते नयेन जेतुं जगतीं सुयोधनः॥

अथवा,

विधाय रक्षान् परतिः परेतरेणशङ्किताकारमुपैति शङ्कितः।

क्रियापवर्गेष्वनुजीविष्यात्कृताः कृतज्ञतामस्य बदन्ति सम्पदः॥

'ख'-विभागः

विभाग - 'ख'

सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्ग व्याख्या कार्या।

सरल संस्कृते प्रसङ्ग निर्देशपूर्वक व्याख्या करो।

- (a) राजर्षिवंशस्य रविप्रसूतेरुपस्थितः पश्यत कीदृशोऽयम्।

मत्तः सदाचारशुचेः कलङ्कः पयोदवातादिव दर्पणस्य॥

अथवा,

तथापि जिह्यः स भवज्जिगीषया तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः।

समुन्नयन् भूतिमनार्यसङ्गमाद्वरं बिरोधोऽपि समं महात्मभिः॥

- (b) संस्कृतेन भावसम्प्रसारणं विधेयम्।

संस्कृत भाषाय भावसम्प्रसारण करो।

यशोधनानां हि यशो गरीयः।

अथवा,

हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।

'ম' বিষয়ঃ
বিভাগ 'গ'

(a) টীকা লেখা — কুমারসম্ভবম্।
টীকা লেখা — কুমারসম্ভবম্।

(b) ধট্টিকাব্যবিসয়ে সংক্ষেপে বিব্রিয়তাম্।
ডট্টিকাব্য সংক্ষেপে সংক্ষেপে বিব্রিত করো।

3. অধোলিখিতেষু প্রশ্নদ্বয়স্য উত্তরং দীযতাম্।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

10×2=20

(a) 'রঘুবংশম্' ইতি মহাকাব্যমবলম্ব্য সীতাচরিত্রম্ আলোচ্যতাম্।
রঘুবংশ মহাকাব্য অবলম্বনে সীতাচরিত্র আলোচনা করো।

(b) 'কিরাতার্জুনীয়ম্' ইতি মহাকাব্যস্য প্রথমসর্গে যুধিষ্ঠিরং প্রতি বনেচরস্য উক্তে: সারাংশঃ লেখ্যঃ।
কিরাতার্জুনীয় মহাকাব্যের প্রথমসর্গে বর্ণিত যুধিষ্ঠিরের প্রতি বনেচরের উক্তির সারাংশ লেখো।

(c) অশ্বঘোষস্য কাব্যকৃতে: সংক্ষিপ্তপরিচয়: প্রদেয়ঃ।
অশ্বঘোষের কাব্যকৃতির সংক্ষিপ্ত পরিচয় দাও।

(d) “মাঘে সন্তি ত্রয়ো গুণাঃ”— মহাকবিমাঘবিষয়ে উদ্ধৃতিরিয়ং ব্যাখ্যেয়া।
“মাঘে সন্তি ত্রয়ো গুণাঃ”— মহাকবি মাঘ বিষয়ে আলোচ্য উদ্ধৃতির তাৎপর্য ব্যাখ্যা করো।